

Doon School Founder's Day celebrations begin with academic exhibitions, Cricket match & plays

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 21 Oct: The Doon School's 81st Founder's Day Programme began today. As hundreds of parents, Old Boys and guests descended on the campus, the School came to life with a multitude of events, activities and performances to mark the celebrations.

Guests entered the campus in the morning to visit the academic exhibitions, where this year's theme – Mathematics – included displays of mathematics in real-life to pique interests, such as explaining the math behind gambling, interactive sessions with parents, and live performances to exhibit mathematics in the real world; with the aim to convey that the subject is more lively than what it may seem. Simultaneously, live performances were held on the other side of School – in the form of the annual Hindi Street Play and a concert by the school's Popular Band. Meanwhile, the annual RL Holdsworth Cricket Match between the Old Boys and present students went underway, with the students winning by a considerable margin of runs!

At lunchtime, the food stalls were open for all guests to eat, while the school's Headmaster, Matthew Raggett, hosted a Special Lunch for the Old Boys of the Batches of 1991 and 1996, who were celebrating their Silver and Golden Jubilees, as well as the Batch of 1986 for their 30 year

reunion. The event saw many Old Boys meeting each other after many years, for some even decades, to rejoice and remember their school days. After lunch, all guests were ushered to the Vittal Mallya Hall to watch the annual Chandbagh Debate – held between the Silver Jubilee Batch

and the present boys. While the topic was 'This House would do away with punishments', the debate to be as exciting and contentious as the motion itself, with both teams using both flair and eloquence to supplement their arguments. The judges' panel included the state's Deputy

Advocate General, as well as two Old Boys. Ultimately, their verdict favoured the present boys, who opposed the motion and won by a large stretch against the proposing Old Boys team.

Before the day ended, however, guests were invited to one of the two-day programme's hallmark events – the annual Hindi Play, this time an adaptation of Bhishm Sahani's 'Muaazse'. Directed by the Hindi Dramatics Boy-in-Charge and lead actor, Madhav Bhardwaj, with Devendra Mishra as Producer, the play was well received by all guests as having expressed the themes of corruption, bribery, and caste dynamics that describe political affairs in India. At curtain call, the entire Rose Bowl amphitheatre was filled with applause for the cast and crew, who had worked on the production for many months prior to their final performance that evening.

The annual Pagal Gymkhana, as well as the main programme, will be held tomorrow, at which Union Finance Minister Arun Jaitley would be the Chief Guest.



दून स्कूल पहुंच पुरानी यादें ताजा
देहरादून। स्थापना दिवस पर विश्व प्रसिद्ध द दून स्कूल में 20 से 25 वर्ष बाद लौटे पूर्व छात्र परिसर में पहुंचकर पुरानी यादों में खो गए। पेज 18

Amar Ujjala(Hindi), 22-10-16, Page-3 & 18

दून स्कूल पहुंचकर पुरानी यादें ताजा

द दून स्कूल के 81वें स्थापना दिवस समारोह का रंगारंग आगाज, एल्मुनाई भी पहुंचे

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

विश्व प्रसिद्ध द दून स्कूल में 20 से 25 वर्ष बाद लौटे पूर्व छात्र परिसर में पहुंचकर पुरानी यादों में खो गए। मौका था दून स्कूल के 81वें स्थापना दिवस समारोह का। समारोह में 1991 और 1996 बैच के पूर्व छात्रों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कई प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लिया।

दून स्कूल के स्थापना दिवस समारोह में शुक्रवार को सबसे पहले गणित पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में वर्तमान छात्रों ने गणित को जीवन से जोड़ने की कोशिश की, जिसकी अभिभावकों और अतिथियों ने खूब तारीफ की। इसके बाद ओल्ड बॉयज और वर्तमान छात्रों के बीच क्रिकेट का दिलचस्प मुकाबला हुआ। दोपहर में स्कूल के 1991 और 1996 बैच के पूर्व छात्रों को हेडमास्टर मैथ्यू रेगेट ने विशेष लंच दिया। 30 साल बाद अपने साथियों से मिले कई पूर्व छात्र काफी उत्साहित नजर आए।



81वें स्थापना दिवस समारोह के पहले दिन शुक्रवार को दून स्कूल में स्ट्रीट प्ले करते छात्र

पहले दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

उन्होंने खूब बातें की और स्कूल में बिताए अपने वक्त की पुरानी यादें ताजा की।

लंच के बाद वार्षिक चांदबाग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शुक्रवार के कार्यक्रमों में अंत में हिंदी नाटक मुआजसे का मंचन छात्रों ने किया। इसमें लीड एक्टर और हिंदी ड्रामाटिक डायरेक्टर स्कूल के छात्र

माधव भारद्वाज ने प्रोड्यूसर देवेन्द्र मिश्रा के साथ अहम भूमिका निभाई। नाटक के माध्यम से छात्रों ने भ्रष्टाचार, रिश्वत और जातिभेद को प्रमुखता से उठाया। शनिवार को पागल जिमखाना फेस्ट का आयोजन किया जाएगा। शाम को समारोह संपन्न हो जाएगा।

प्रियंका वाड़ा सहित कई वीआईपी का जमावड़ा

देहरादून (ब्यूरो)। द दून स्कूल में 81वें स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत के साथ ही राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और तमाम वीआईपी का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। समारोह के पहले दिन प्रियंका वाड़ा सहित तमाम हस्तियां अपने बच्चों की खातिर अभिभावक के रूप में दून स्कूल पहुंच गए। प्रियंका वाड़ा का बेटा रेहान दून स्कूल का छात्र है। स्थापना दिवस समारोह शुरू हुआ तो शुक्रवार को प्रियंका भी आम अभिभावक बनकर दून स्कूल में मौजूद रही। पहले दिन की सभी गतिविधियों में एक अभिभावक के तौर पर प्रियंका ने हिस्सा लिया। सुनौ के मुताबिक समारोह में पहले दिन पूर्व रक्षा राज्य मंत्री कुंवर आरपीएन सिंह, दून स्कूल के चेयरमैन और अवांश गुप के मालिक गौतम थापर, बोर्ड के मेबर इंदर नारायण, पंजाब के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के रिश्तेदार आइटीवीपी के डीआईजी व अभिभावक अभिनव कुमार सहित कई हस्तियां पहुंच चुकी हैं। समारोह में शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली वतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। वह छात्रों को संबोधित करेंगे।

अतीत में जो खोया, आज पाने का है मौका

द दून स्कूल पहुंचे वित्त मंत्री ने चीन की आर्थिक नीति को सराहा



मालरोड स्थित द दून स्कूल में फाउंडर डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मौजूद बच्चों के अभिभावक और स्टूडेंट।



छात्रों ने केंद्रीय वित्तमंत्री को दून स्कूल की बुक भेंट की।



कार्यक्रम में बेटे के साथ मौजूद रही प्रियंका गांधी।

अमर उजाला ब्यूरो
देहरादून।

'हमने 90 के दशक के टॉप 25 बिजनेस और वर्तमान के टॉप 25 बिजनेस की तुलना की तो पाया कि उनमें से चार या पांच का ही अस्तित्व बचा है। हमने अतीत में अपनी आर्थिकी को मजबूत बनाने का जो मौका खोया है, वह आज स्टार्टअप के नए आइडियाज के साथ हमारे सामने मौजूद है।' द दून स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली इन्हीं बातों के साथ छात्रों से रूबरू हुए।

बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। उन्होंने छात्रों को वित्तीय भाषा में देश के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई और देशों ने अपनी आर्थिकी को मजबूती से उठाया है। उन्होंने कहा कि आज मुकाबला बेहद कठिन है। अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि उस वक्त आम अंकों पर भी अच्छे कॉलेज में दाखिला मिल जाता था, लेकिन आज 90 प्रतिशत वालों को भी अच्छा कॉलेज नहीं मिल पाता है। लेकिन अब वक्त बदल रहा है। स्टार्टअप से हम नए आयाम

प्रतिस्पर्धा के दौर में उत्कृष्टता जरूरी: जेटली

वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित

दि दून स्कूल को जल्द मिलेगा नया चेयरमैन

जागरण संवाददाता, देहरादून: दि दून स्कूल के 81वें स्थापना दिवस के समापन समारोह में पहुंचे केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने छात्रों को अपने दौर और आज के परिवेश में बदली शिक्षा व्यवस्था और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के स्तर को समझाया। उन्होंने छात्रों को वैश्विक चुनौतियों के प्रति सजग भी किया। दून स्कूल से ऐसे बेन देने की अपेक्षा की जो देश का नेतृत्व कर सकें।

शनिवार शाम को समारोह का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि जब उन्होंने 12वीं कक्षा पास की और स्नातक में प्रवेश लिया तो आसानी से उत्कृष्ट कालेजों में प्रवेश मिल जाता था। आज 98 फीसद अंक हासिल करने पर भी उच्च श्रेणी के कालेजों में दाखिले की गारंटी नहीं होती। आज प्रतिस्पर्धा में एक्सीलेंस (उत्कृष्टता) की जरूरत बढ़ गई है। पुराने दौर में 20-25 आइडिया में से आज चार-पांच ही बाजार में टिक सके हैं। जबकि वर्तमान में आइडिया की भरमार है, जिनकी बदौलत वैश्विक फलक पर धूम मचाई जा सकती है। यह संभव हो पाया है शिक्षा जगत में आई क्रांति की बदौलत। मौजूदा समय में निजी सेक्टर में स्कूल, कालेज और विश्वविद्यालयों की भरमार है। इनकी शिक्षा प्रणाली नवीनतम और सरकारी शिक्षण संस्थाओं से कहीं बेहतर है। दून स्कूल भी ऐसा ही एक बड़ा नाम है। ऐसे स्कूलों से अपेक्षा की जाती है कि वह देश को हर सेक्टर में नेतृत्व प्रदान करने वाली क्षमता मुहैया कराए। हालांकि दून स्कूल के इतिहास की बात करें तो यहां से निकले छात्र हर सेक्टर में उच्च स्तर पर देश और विश्व स्तर पर सेवाएं दे रहे हैं। जेटली ने देश की मौजूदा स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज दुनिया भारत को लोहा मान रही है। देश ने सड़क, ऊर्जा और रेलवे के क्षेत्र में



शनिवार को दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह में उपस्थित छात्र और उन्हें संबोधित करते केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली, साथ में हैं दून स्कूल के हेड मास्टर मैथ्यू रैंगेट।



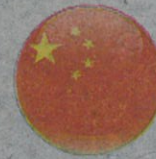
देहरादून: दि दून स्कूल के मौजूदा चेयरमैन गौतम थापर का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उनकी जगह जल्द नए चेयरमैन लेंगे। हालांकि अभी नए नाम की घोषणा नहीं की गई है।

चेयरमैन गौतम थापर ने खुद इस बात की घोषणा की कि उनकी कार्यकाल समाप्त हो रहा है। वह वर्ष 2012 से इस पद पर कार्यरत हैं। अपने कार्यकाल को संतोषजनक बताते हुए थापर ने कहा कि स्कूल प्रशासन व बोर्ड ऑफ गवर्नेस से उन्हें भरपूर सहयोग मिला। बेहतर प्रबंधन की बदौलत ही यह स्कूल आज बेस्ट आवासीय विद्यालय में शामिल है। स्कूल का हमेशा यही प्रयास रहता है कि छात्रों का सर्वांगीण विकास हो। क्योंकि हर छात्र समाज का हिस्सा है और समाज के प्रति उसकी कई जिम्मेदारियां हैं। इसके साथ ही चेयरमैन थापर ने नए निदेशक के रूप में समीर कुकरेजा और गहुल भगत के नाम की घोषणा की। स्थापना दिवस के समापन समारोह में हेड मास्टर मैथ्यू रैंगेट ने कहा कि स्कूल ने नवीनतम तकनीक को शिक्षण व्यवस्था में शामिल किया है। क्षमता विकास को लेकर यहां छात्रों पर खासा ध्यान दिया जाता है।

अभूतपूर्व मुकाम हासिल किया है। हालांकि ग्रामीण भारत के प्रति उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अभी बहुत कुछ हासिल किया जाना बाकी है। दून स्कूल के चेयरमैन गौतम थापर ने कहा कि स्कूल ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस अवसर पर उन्होंने वित्त मंत्री को स्मृति चिह्न व स्कूल की इयर बुक भेंट की। इससे पहले छात्रों ने गीत-संगीत के विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को खुशनुमा बनाया। कार्यक्रम में स्कूल में हेड मास्टर मैथ्यू रैंगेट समेत अभिभावकों के रूप में देश की तमाम गणमान्य हस्तियां उपस्थित रही।

चीन अर्थ की बदौलत आगे

अरुण जेटली ने छात्रों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आज तकनीक का बोलबाला है। जो देश तकनीक में जितना दक्ष है, वह आर्थिक रूप से भी उतना ही मजबूत है। आज चीन राजनीतिक क्षमता में नहीं, तकनीक की बदौलत दुनिया में बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। जापान और दक्षिण कोरिया भी इसके बड़े उदाहरण हैं। आज यूएस प्रेजीडेंशियल के चुनाव में भी यही मुद्दा हावी है।



प्रियंका गांधी भी रहीं मौजूद

द दून स्कूल के स्थापना दिवस समारोह में पहुंची प्रियंका गांधी वाड़ा सबके आकर्षण का केंद्र रहीं। नीले रंग के सूट में आई प्रियंका समारोह के दौरान अभिभावकों के बीच बैठी रहीं। एसपीजी से घिरी वाड़ा मीडिया से दूरी बनाए रहीं। गोरतलब है कि दून स्कूल में उनका बेटा रेहान पढ़ता है।



फिर आया एवरेस्टर का जिक्र

दून स्कूल के चेयरमैन गौतम थापर ने कहा कि स्कूल ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस कड़ी में उन्होंने वर्ष 1976 बैच के छात्र रहे अंकुर बहल का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने विश्व की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट को फतह करने के साथ ही सात महाद्वीपों की छह सर्वाधिक ऊंची चोटी फतह की हैं। निकट भविष्य में वह कंचनजंगा चोटी को फतह करने की योजना बना रहे हैं।



Special Supplement on 77th Anniversary of THE DOON SCHOOL OLD BOYS' SOCIETY

This issue of The Himachal Times carries a **six-page** supplement to mark the 77th anniversary of the Doon School Old Boys' Society (DSOBS). The Society was the brainwave of the School's first Head Master – the legendary and visionary Arthur E. Foot. It was formed in 1939, and today it is one of the most active and vibrant old boys' societies with its alumni spread across much of the world. Over the years, it has had many distinguished presidents. Currently, its president is RPN Singh, scion of a blue blooded family from UP. He was a minister of state in the Manmohan Singh government and is today a leading light of the Congress party in Uttar Pradesh. Incidentally, his father late CPN Singh too was in the Congress ministry then headed by Ms. Indira Gandhi.



RPN Singh

It publishes an outstanding quarterly newsletter THE ROSE BOWL that provides an intimate platform linking together the old boys in a close bonhomie. It too has had several famed editors. Its current editor is Govind Dhar. His predecessor Valentina Trivedi was certainly among the most distinguished of its editors. We wish to specially thank the authors of the articles for writing exclusive articles for this Special Issue. We also acknowledge the support extended by Rajiv Chopra, ex Dosco - Class of 1973.

Our Senior Reporter, Sudhir Raina, who is an ex-Dosco, was the coordinator for this Special Issue. Our special thanks to Raj Kanwar for his support.

Editor

आगे बढ़ना है तो मुकाबले को तैयार रहना होगा: जेटली

देहरादून | कार्यालय संवाददाता

वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा है कि आज शिक्षा के क्षेत्र में सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। कभी 60 प्रतिशत में भी आपको अच्छे कॉलेज में एडमिशन मिल जाता था। लेकिन आज 98 प्रतिशत में भी एडमिशन की गारंटी नहीं। आगे बढ़ना है तो कड़ा मुकाबला करना होगा। जेटली शनिवार को दून स्कूल के 81वें स्थापना दिवस के मौके पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में बतौर अभिभावक कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी शिरकत की।

जेटली ने कहा कि कंपीटिशन बढ़ने का ही नतीजा है कि शिक्षा के क्षेत्र में भारत का नाम दुनिया में फैला है। यहां के पढ़े हुए छात्र दुनिया भर में नाम कमा रहे हैं।



दून स्कूल के समारोह में केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली ने पुस्तक का विमोचन किया। • हिन्दुस्तान उन्होंने साफ कहा कि आज मध्यम दर्जे का प्रदर्शन करने वाले छात्रों की कोई पूछ नहीं। आपको आगे बढ़ना है तो श्रेष्ठ प्रदर्शन करना ही होगा। उन्होंने कहा कि आप आज जो करें नई सोच के साथ करें।



शनिवार को दून स्कूल के स्थापना दिवस समारोह में प्रियंका गांधी भी पहुंचीं। • हिन्दुस्तान वित्त मंत्री जेटली ने स्कूल कैप्टन तुषार शर्मा, दक्ष अग्रवाल और अन्य लोगों की मौजूदगी में दून स्कूल की ईयर बुक का विमोचन किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर हैडमास्टर मैथ्यू बैगेड ने वित्तमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान प्रियंका गांधी, पूर्व गृह राज्य मंत्री आरपीएन सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, विधायक राजेश शुक्ला समेत कई वीआईपी मौजूद थे।

Gairhwal Post, 25-10-16, Page-2

Doon School '76 Batch visits Cheshire Home

By OUR STAFF
REPORTER

DEHRADUN, 24 Oct: The Doon School '76 Batch, Dehradun, led by SS Goyal, Honorary Treasurer of Cheshire Home, visited the Home on 22 Oct and planted a Rudraksh plant there in memory of their visit.

The batch also donated a

sum of Rs 1,18,200 for uplift of the Home. The members of the Batch, which had visited Cheshire Home earlier when they were students at The Doon School, very much appreciated the overall improvements noticed by them.

Chairman PC Agarwal, MK Puri and Brig KG Behl expressed their gratitude to them.



Jaitley's mantra to students: Think off track to fast-track success in life

Neha Pant

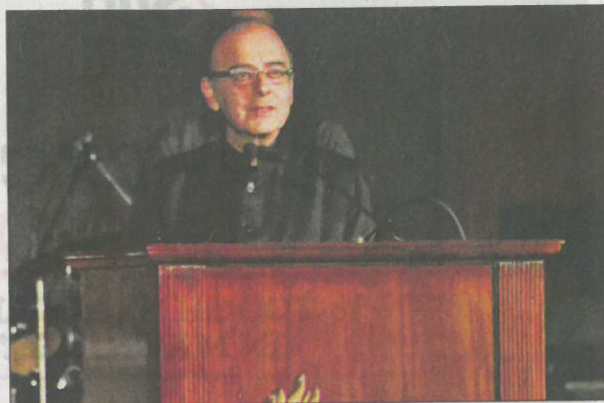
neha.pant@hindustantimes.com

DEHRADUN: Union finance minister Arun Jaitley stressed on "unconventional ideas" and "off-track" thinking to take the fast track to success in today's times, while addressing students at the 81st Founder's Day of The Doon School in Dehradun on Saturday evening.

Jaitley said India has now become "far more aspirational and impatient" than ever and that only those who "think differently" can break new ground.

"Mediocrity is going to leave you somewhere lost in the crowd at the bottom. People who are coming up with unconventional ideas and are thinking off track, they are the ones who probably will find that space for excellence and get on to a fast track in life much ahead of the others," the senior BJP leader said in his keynote speech as the chief guest.

Alluding to a flurry of ingenious startup enterprises in India of late, he said the entrepreneurs behind them are a "crazy bunch of people or disruptors" who dared to venture away from



■ Union finance minister Arun Jaitley at the 81st Founder's Day of The Doon School in Dehradun on Saturday. HT PHOTO

the normal, settled path.

On the trend of a large number of Indian students and professionals moving to foreign shores, he said it could be attributed to a "demographic differential" which has been created over the years.

"Since our population still hasn't stabilized, we have many more people than we can absorb or subsume into our economy. Therefore, the movement of individuals (to countries with stable population) as an eco-

nomic necessity and also as an economic resource is bound to take place," Jaitley said.

He mentioned how key improvements were being made in sectors like highways, airports, public delivery systems and power by the Modi government.

"But what we really have to improve still is the quality of rural India, especially the most vulnerable section like the tribals," he said, exhorting students to contribute their own bit to

People who are coming up with unconventional ideas and are thinking off track, they are the ones who probably will find that space for excellence and get on to a fast track in life much ahead of the others

ARUN JAITLEY,
Union finance minister

nation-building once they pass out of their "great institution".

During the Founder's Day function, chairman of the Board of Governors of The Doon School, Gautam Thapar, shed light on the developments taking place in the school while headmaster Matthew Raggett spoke about the achievements of the Doscocs.

The audience comprised a large number of present and former students including their families, teachers and guests. Priyanka Gandhi, whose son studies in the school, was also present among the audience.



Dehradun

Doon School celebrates 81st Founder's Day **Youth need to seize new opportunities to affect pace of change: Arun Jaitley**

DEHRADUN,
OCT 22 (HTNS)

The Doon School celebrated its 81st Founder's Day at the open amphitheatre, here today. Union Finance and Corporate Affairs Minister Arun Jaitley was the Chief Guest on the occasion. Present on the occasion was Gautam Thapar, Chairman of the Board of Governors of Doon School.

Speaking on the occasion, Chief Guest Arun Jaitley highlighted the new opportunities created for India and its youth in the present, and how both would have to seize them in order to affect the pace of change.

Having alluded to global developments, start-up enterprises, and the need to converge excellence with a perspective of India's challenge, his speech served as important food for thought for the audience, especially the students who were listening intently.



In his address on the occasion of 81st Founder's day, Gautam Thapar reminisced about the progress the school had made during his years on the board. He expressed his decision to retire from the board after eight years of service.

Headmaster Matthew Raggett, speaking on the occasion, presented a roadmap of development of the school in the future. He said that the school was moving away from rote learning, content based model of the past to an in-

ternationally recognized, skills based model that will prepare our students to be critical, collaborative and original thinkers.

On leadership he said, "I believe that if anyone with leadership positions is not directly involved in the

teaching of what it means to lead then they are undermining our own credibility."

On working too hard, Matthew Raggett said many of these boys work too hard. You need to believe them when they tell you that they have no homework

over the holiday. They can read for pleasure and finish their course work. Holiday is for relaxing, for being together as a family, and to give parents the opportunity to learn from their children what it means to be exceptional.

On the Founder's Day he said, "I feel very privileged to share my first Founder's Day with Silver Jubilee for the batch of 1991. If I had been lucky enough to be a Dosco, then this would have been my batch."

The programme ended

with a vote of thanks by the school captain along with a short concert by the student musicians, marking the end of yet another annual celebration and festivities at The Doon School of its mission, achievements and continued existence.

